

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 18

अंक-2

अप्रैल-II, 2017

(पाक्षिक)

माउण्ट आबू

8.00

भारत की आध्यात्मिकता विश्व को सर्वश्रेष्ठ देने

केन्द्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग से ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग महासम्मेलन का आयोजन

दिल्ली। केन्द्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग से प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के द्वारा सिरीफोर्ट सभागार में 'विश्व शांति-समय की पुकार' विषय पर एक भव्य सार्वजनिक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय योग महासम्मेलन का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए

प्रसिद्ध प्रेरणादायी आध्यात्मिक वक्ता ब्र.कु. शिवानी ने कहा की इस सम्मलेन का मुख्य उद्देश्य है राजयोग की सही व्याख्या एवं इससे प्राप्त आंतरिक शांति, शक्ति और स्वास्थ्य की सहज और स्वतः अनुभूति करना। ऑस्ट्रेलिया से पधारे चार्ल्स हॉग ने कहा कि योग, विशेषकर राजयोग और

आध्यात्मिकता ही भारत की विश्व के लिए सबसे बड़ी देन है। ऑस्ट्रेलिया के सुश्री किम वेनेर के द्वारा स्पेशल योग डांस ने लोगों को मन्त्र मुग्ध कर दिया। लोगों ने खड़े होकर सुश्री का सम्मान किया। यूरोप से आए एंटोनी ने अपने जीवन में राजयोग से हुए सकारात्मक और सुखद

परिवर्तन के अनुभव सभी के साथ साझा किए। यूरोप की ब्रह्माकुमारीज़ प्रमुख ब्र.कु. जयंती ने राजयोग से व्यक्तित्व परिवर्तन और बीमारियों के निदान के बारे में चर्चा की। अमेरिका देश समूह की मुख्य ब्र.कु. मोहिनी ने अपनी पचास साल की

राजयोग जीवन से अनेकानेक प्राप्तियों और हजारों जनजीवन को सही दिशा प्रदान करने की बात कही। उपस्थित लोगों को सामूहिक राजयोग का अभ्यास और अनुभूति कराकर विदेशी राजयोगियों ने लोगों के मन में गहरी शांति और स्थिरता लायी।



महासम्मेलन में मंचासीन हैं ब्रह्माकुमारी संस्था के ऑस्ट्रेलिया तथा एशिया पैसिफिक देशों के मुख्य संचालक चार्ली हॉग, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. शिवानी, यूरोप स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. जयंती, दक्षिण अमेरिका के प्रख्यात मैनेजमेन्ट कन्सलटेन्ट केन ओडोनल तथा ओ.आर.सी. की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा।

अंतर आत्मा की चार्जिंग से होगा समस्याओं का समाधान - शिवानी

● नकारात्मक नज़रिया शक्ति और क्षमता को कम करता - चार्ली हॉग

● सकारात्मक सोच ही सम्पूर्ण स्वास्थ्य का आधार - केन ओडोनल



ब्रह्माकुमारी संस्था के ऑस्ट्रेलिया तथा एशिया पैसिफिक देशों के मुख्य

संचालक चार्ली हॉग ने भारत के प्राचीन योग की सराहना करते हुए कहा कि वैश्विक शान्ति, स्वास्थ्य, सद्भावना एवं सामूहिक कल्याण का आधार योग वा राजयोग है जोकि भारत की समग्र विश्व एवं मानवता के लिए बहुत बड़ी देन है। उन्होंने आगे कहा कि भारत का यह आध्यात्मिक ज्ञान एवं योग समग्र विश्व को एकता के सूत्र में बांधने की क्षमता रखता है।

संस्था के युरोपियन देशों की मुख्य संचालिका ब्र.कु. जयंती ने योग का स्वास्थ्य तथा वातावरण पर प्रभाव के बारे

में वैज्ञानिक तथ्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राजयोग मेडिटेशन के द्वारा न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है अपितु मनुष्य के मानसिक, अनुवांशिक और पर्यावरण स्तर पर सकारात्मक एवं स्वस्थ प्रभाव पड़ता है। जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्रह्माकुमारी शिवानी ने योग द्वारा जीवन में होने वाले लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि जिस प्रकार मोबाईल पर एक क्लिक से हम सब कुछ कर सकते हैं उसी प्रकार हम अपनी एक सोच से स्वयं को, अपने शरीर को, रिश्तों को, कार्य क्षेत्र को, परिवार व सारे विश्व को परिवर्तन कर सकते हैं, पर इसके लिए जिस प्रकार मोबाईल का चार्ज होना जितना आवश्यक है उसी प्रकार प्रतिदिन आधा घण्टा राजयोग मेडिटेशन के द्वारा परमात्मा रूपी आध्यात्मिक पावर हाउस से सम्बन्ध जोड़कर अपनी अन्तर आत्मा

को चार्ज करना आवश्यक है। जिससे हम अपने जीवन तथा समाज की आने वगानेक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। ओमशान्ति रिट्रीट सेन्टर, गुरुग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा ने सभी के स्वागत में कहा कि राजयोग की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इसके अभ्यास से सांसारिक और आध्यात्मिक जीवन में सन्तुलता आती है। इस महासम्मेलन की एक परिचर्चा में दक्षिण अफ्रीका से प्रोफेसर जॉन निद्रितु, अर्जेन्टीना से बहन मोईरा लोई तथा चिली से व्यवसायी कैरोलिन वार्ड ने "योग से सम्पूर्ण स्वास्थ्य एवं सद्भावना" विषय पर अपनी अनुभूति के आधार पर विचार



विमर्श किये। इस सम्मेलन में मुख्य आकर्षण ऑस्ट्रेलिया की किम वेनेर बहन का अद्भुत योग डांस रहा, जिसमें उन्होंने हठयोग, ऐरोबिक्स एवं राजयोग ध्यान का एक अपूर्व समावेश प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही अमेरिका की बहन ऐलिजाबेथ पाडिला ने विश्व शान्ति थीम पर मधुर गीत गाया तथा ऑस्ट्रेलिया के डेविड ने बांसुरी वादन से सभागार में सुखद शान्ति की लहरें फैलायी। दक्षिण अमेरिका के प्रख्यात मैनेजमेन्ट कन्सलटेन्ट केन ओडोनल ने कहा कि अपनी आंतरिक प्रकृति को नियंत्रण में रखने से ही बाहरी प्रकृति को हम नियंत्रित कर सकते हैं। मनुष्य की जब सोच और नज़रिया नकारात्मक या व्यर्थ की दिशा में चलता है तो उसकी आंतरिक शक्ति और क्षमता कम होने लगती है जो कि

तनाव, दुःख, अशान्ति और बीमारियों का कारण बन जाती है। जरूरत है कि हम अपनी सकारात्मक सोच, कर्म और व्यवहार में वृद्धि लायें जिससे हमें सम्पूर्ण स्वास्थ्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने कहा कि अपनी अंतरात्मा के ज्ञान, गुण एवं शक्तियों के चिन्तन तथा ज्ञान, गुण, शक्तियों के सागर परमात्मा के ध्यान से ही हम सकारात्मक, स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन विकसित कर सकते हैं। पाँच महाद्वीपों से आये कुछ मुख्य योगा मास्टर्स का एन.डी.एम.सी., इण्डियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशन्स तथा अन्य गणमान्य प्रतिष्ठित लोगों के द्वारा हार्दिक अभिनंदन किया गया।

